

प्रेषक,

श्रीधर बाबू अददांकी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा,
हल्द्वानी, नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-7 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 17 दिसम्बर, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक-2202-03-103-04 से लेखाशीर्षक-2202-03-103-08 में पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-डिग्री बजट/10326/2015-16 दिनांक 19.10.2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक-2202-03-103-04-वर्तमान राजकीय महाविद्यालयों का सुदृढीकरण योजना के 03-मंहगाई भत्ते मद में हो रही बचत की धनराशि को लेखाशीर्षक-2202-03-103-08-नये राजकीय महाविद्यालय की स्थापना योजन के 01-वेतन मद में रु0 100.00 लाख (रु0 एक करोड़ मात्र) की धनराशि संलग्न प्रपत्र बी0एम0-09 के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत करते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त व्यय के भुगतान के सम्बन्ध में निर्धारित समस्त दिशा निर्देशों एवं प्रक्रिया का पालन किया जाना होगा।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-2016 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-103-राजकीय कालेज तथा संस्थान के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-09 प्रपत्र के कालम-7 में इंगित योजनाओं में उल्लिखित योजनाओं की बचतों से उक्त में उल्लिखित विवरणानुसार वहन की जायेगी।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-289(P)/xxvii(3)/2015-16 दिनांक 04 दिसम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न: यथोपरि।

भवदीय,

(श्रीधर बाबू अददांकी)
अपर सचिव।


.....2/

पृ०सं० १७१ (१) / xxiv(7) / 2015-48(2) / 14 टी०सी०तददिनांक ।

प्रतिलिपि— निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून ।
- 2-कोषाधिकारी हल्द्वानी-नैनीताल ।
- 3-वित्त अधिकारी, उच्च शिक्षा निदेशालय हल्द्वानी ।
- 4-निदेशक एन०आई०सी० उत्तराखण्ड ।
- 5-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून ।
- 6-वित्त अनु०-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन ।
- 7-विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव ।

प्रपत्र बी0एम0-9 (भाग-एक)
पैराग्राफ 139
पुनर्विनियोग की स्वीकृति हेतु आवेदन

प्रशासकीय विभाग:-उच्च शिक्षा विभाग
वित्तीय वर्ष 2015-2016

अनुदान संख्या-11

आयोजनागत से आयोजनागत पक्ष में


(रुपये हजार में)

निम्नलिखित निधियों से प्रस्तावित अंतरण				वित्त विभाग द्वारा भरा जायें		निम्नलिखित निधियों को प्रस्तावित अंतरण				वित्त विभाग द्वारा भरा जायें	
लेखे का शीर्षक (15 अंकीय कूट में) आयोजनागत	आवेदन की तिथि पर उपलब्ध अनुदान / विनियोग	आवेदन की तिथि पर उपलब्ध बचतें	अंतरित की जाने वाली राशि	वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत अंतरण हेतु राशि	अंतरण के पश्चात् अवशेष अनुदान / विनियोग (2-5)	लेखे का शीर्षक (15 अंकीय कूट में) आयोजनागत	वित्तीय वर्ष हेतु उपलब्ध अनुदान / विनियोग	वर्ष के दौरान प्रत्याशित कुल व्यय	अंतरण हेतु प्रस्तावित धनराशि	वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत अंतरण हेतु धनराशि	अंतरण के पश्चात् उपलब्ध अनुदान / विनियोग (8+11)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-103-राजकीय कालेज तथा संस्थान-04-वर्तमान राजकीय महाविद्यालयों का सुदृढीकरण एवं उन्नयन तथा नये विषय/संकायों का समावेश						2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-103-राजकीय कालेज तथा संस्थान-08-नये राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना					
03-मंहगाई भत्ता	73830	18331	10000	10000	63830	01-वेतन	110000	120000	10000	10000	120000
योग :-	73830	18331	10000	10000	63830		110000	120000	10000	10000	120000

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग में बजट मैनुवल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्रतिबन्धों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त (व्यय नियन्त्रक) अनुभाग-3
संख्या- 284 (P)/XXVII(3)/2015-16
देहरादून : दिनांक 04 दिसम्बर, 2015


महालेखाकार,
उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी)
ओबराय बिल्डिंग माजरा देहरादून।


(दिलीप जावलकर)
अपर सचिव

पृ.संख्या- 1979(1)/XXIV(7)/2015-42(2)/14टी0सी0/तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड।
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी (नैनीताल)।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हल्द्वानी (नैनीताल)।
4. लेखाधिकारी, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्द्वानी (नैनीताल)।
5. वित्त अनुभाग-3।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव